“33”
pib.nic.in
mod.nic.in

पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार

****

‘हर काम देश के नाम’

नई दिल्ली, अग्रहायण 08, 1945
बुधवार, नवंबर 29, 2023

सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष सीएसआर कॉन्क्लेव: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कॉर्पोरेट क्षेत्र को पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए उदारतापूर्वक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया

"पूर्व सैनिकों का कल्याण पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है"

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कॉरपोरेट क्षेत्र से सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष (एएफएफडीएफ) में उदारतापूर्वक योगदान देने के लिए अनुरोध किया। उन्होंने उन बहादुर सैनिकों की भलाई सुनिश्चित करने की अपील की जिन्होंने देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करते हुए अपना जीवन व्यतीत किया। रक्षा मंत्री 29 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एएफएफडीएफ कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कॉन्क्लेव के दौरान कॉर्पोरेट प्रमुखों को संबोधित कर रहे थे।

श्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों के सेवानिवृत्त और सेवारत कर्मियों के प्रति उनकी बेमिसाल वीरता और बलिदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों का कल्याण सुनिश्चित करना पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों को पूरा करते हैं और साहस व तत्परता के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं।

रक्षा मंत्री ने व्यवसायों, उद्योगों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रमुखों को धन सृजनकर्ता के रूप में वर्णित किया जो अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और राष्ट्र की समृद्धि एवं सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कॉरपोरेट क्षेत्र से आग्रह किया कि वे अपने कर भुगतान दायित्वों के अतिरिक्त समाज के अन्य लोगों, विशेष रूप से सशस्त्र बलों के कर्मियों के साथ अर्जित लाभ को साझा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वैच्छिक योगदान अनिवार्य दायित्वों की तुलना में अधिक महत्व रखता है। उन्होंने कहा, 'जब कर का पैसा सैनिकों तक पहुंचता है तो यह कानूनी बाध्यता होती है लेकिन स्वैच्छिक योगदान के साथ ऐसा नहीं है। एक सैनिक स्वैच्छिक योगदान के रूप में दिए गए 5 रुपये से भी जुड़ा हुआ महसूस करेगा, जो कर के रूप में दिए गए 100 रुपये से अधिक है।

इस अवसर पर श्री राजनाथ सिंह ने एएफएफडीएफ में योगदान देने वाले प्रमुख सीएसआर योगदानकर्ताओं को भी सम्मानित किया, जिनमें भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, इंडस टावर्स लिमिटेड, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन, ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, ईसीजीसी लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एलआईसी स्वर्ण जयंती फाउंडेशन, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड शामिल हैं।

कॉन्क्लेव में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सचिव (भूतपूर्व सैनिक कल्याण) श्री विजय कुमार सिंह, रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और सेवारत व सेवानिवृत्त सशस्त्र बल कर्मी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। हाल ही में पूर्व सैनिकों/आश्रितों के लिए चिकित्सा उपचार अनुदान को 30,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये, विधवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण अनुदान को 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये और गंभीर रोग अनुदान को 1.25 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये कर दिया गया है, यह एक सतत प्रक्रिया है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, 99,000 से अधिक लाभार्थियों को लगभग 250 करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया गया। इसके अलावा पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र,

किरकी और मोहाली, चेशायर होम, देहरादून, लखनऊ व दिल्ली तथा देश भर के 36 वॉर मेमोरियल हॉस्टलों को भी संस्थागत अनुदान दिया गया है।

एबीबी/एसएस